भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
मौखिक प्रश्न संख्या : 47
गुरुवार, 25 जुलाई, 2024/3 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

कार्यात्मक हवाई अड्डे और हवाई पट्टियां

***47. श्री अनिल फिरोजिया:**
श्री पी.पी चौधरी:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्तमान में देश में कार्यात्मक विमानपत्तनों/हवाई पट्टियों की संख्या कितनी है;
(ख) उक्त कार्यात्मक विमानपत्तनों/हवाई पट्टियों में से कितने विमानपत्तनों/हवाई पट्टियों का निर्माण वर्ष 2014 से किया गया है; और
(ग) क्या सरकार राजस्थान के पाली जिले में हवाई पट्टी और झारखंड के हजारीबाग में विमानपत्तन के किसी प्रस्ताव पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्री (श्री किंजरापु राममोहन नायडू)

(क) से (ग) : विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

कार्यात्मक हवाई अड्डे और हवाई पट्टियों के संबंध में श्री अनिल फिरोजिया और श्री पी पी चौधरी द्वारा पूछे गए लोक सभा मौखिक प्रश्न संख्या 47 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क): वर्तमान में देश में 157 कार्यशील एयरोड्रोम (हेलीपोर्टों और वाटर एयरड्रोमों सहित) हैं।

(ख): वर्ष 2014 से देश में 83 एयरोड्रोमों का निर्माण/कार्यशील किया गया है।

(ग): नागर विमानन मंत्रालय ने क्षेत्रीय हवाई संपर्क को प्रोत्साहित करने और आम जनता के लिए हवाई यात्रा को किफायती बनाने के लिए क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)-उड़ान (उड़े

देश का आम नागरिक) शुरू की है। 'उड़ान' एक माँग आधारित योजना है। विशेष मार्गों पर माँग के अपने आंकलन के आधार पर इच्छुक एयरलाइनें 'उड़ान' के तहत बोली प्रक्रिया के समय अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं। 'असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों का पुनरुद्धार' योजना के तहत नो–फ्रिल्स हवाईअड्डे के रूप में उस हवाईअड्डे को विकसित किया जाता है जो 'उड़ान' योजना के तहत अवॉर्ड किए गए मार्गों में शामिल है और जिसे 'उड़ान' परिचालनों को शुरू करने के लिए उन्नयन/विकास की आवश्यकता है। हवाईपट्टी की अनुपलब्धता के कारण पाली (फालना) को 'उड़ान' योजना दस्तावेज में बोली प्रक्रिया हेतु शामिल नहीं किया गया है। हजारीबाग और कोलकाता के बीच आरसीएस उड़ानों के परिचालन के लिए हजारीबाग हवाईपट्टी की पहचान की गई थी। तथापि, भूमि संबंधी अवरोधों के कारण हवाईअड्डे का विकास/उन्नयन नहीं किया जा सका। रनवे और टर्मिनल भवनों के विस्तार सहित हवाईअड्डों पर अवसंरचनाओं/सुविधाओं का उन्नयन एक सतत प्रक्रिया है, जिसे परिचालन आवश्यकताओं, यातायात, माँग, वाणिज्यिक व्यवहार्यता, भूमि की उपलब्धता आदि के आधार पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) या संबंधित हवाईअड्डा प्रचालक द्वारा किया जाता है।

*****